

घसंरत्त्व बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

II-129

श्री कंकिकु मंगलधरति

कं कि

॥१॥

ॐ नमः श्रीवर्जसत्
विमलसागरमहाव
मनस्कजमहावर्जः
नसाङ्गुवाकसाग
व ॥ ॐ समज २ विम

यः ॐ स्वस्ति संमृज २
र्जं ॥ ॐ संमृज २ वि
र्जं ॥ ॐ धाजनिवा
सां सहस्रप्रमान ॥
जसागरमहासमु

॥१॥

यस्माहा ॥ धाल १ ॐ धाजनिवा
नं पुंन्यलाक ॥ २ ॥ ॐ समज २ विमलस्कजमहावर्जः ॥ धाल
१ ॐ धाजनिवा धर्मदानयागसाचक्रि क्रिं दाल क्रिप्रमान ॥
३ ॥ ॐ तनस्वरज हिममनस्त्रमहासंमृजुं दृष्ट ॥ धाल १ ॐ धाजनिवा
ॐ धाजनिवा लक क्रिप्रमान ॥ ४ ॥ ॐ धज २ वधज स्वाहा ॥ धा

कंकि

॥ २ ॥

ल० ध्यानसाधनसंयोगानां यून्यासंख्यामहा ॥ ५ ॥
ॐ नमो सर्वतथागतहृदयभूतगते ॐ कृष्णगिनिस्वाहा ॥ ध्यात्वा १
वीनसाकीर्तिमगसह श्रीकल्याणसुयानागुपापदकां मोचनह
॥ ६ ॥ ॐ नमो महाजलपुत्रा चन्द्रभूलकालसर्वहृदि नमो जय
कुरुवाजाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ नमो सर्वतथागतानां ॐ महाचिंतामणि

॥ २ ॥

ठाजनसागजगति च आकर्षय २ आशूधन २ संधन २ ऊन
२ किनि २ हून २ सवेतथागतमहासमयतिरु २ माहाहवन
सागजसंसाधय २ सर्वसलानां चरुगवति सर्वपापविमल
जय २ जयलहस्थान २ स्तुतय २ विगताहजनहयज २ हूं हूं
॥ मृग्युन्दहयभूतयंडलिषव्यवलाकि न समं पृथ्व्यसमं क

प्रद

कं कि

॥३॥

त्ववला कित्य महासमय महापासधर्म अभाद्य विमलः आक
षयि २ आक २ रतन २ संतन २ ०० न्द्रिय विष्णु धनि र विरत
ॐ महासूत्रा वि लोकि ते जय २ सिद्ध २ वृद्ध २ वीधनि २ सुं वीध
नि २ स्वधनि २ सं स्वधनि २ विस्वधनि २ रुन २ म म सव पाप
सर्वे नैथ गन कूजुजु ॐ समय नि २ प स म य २ म म पून्य विन

॥३॥

संगुपाया सर्व कि विप ह्य म नि विस्वधय विमल विक सि तय ॥
क व चि नु ज ॐ प्रत्याज मिता पयि यु पि नि ॥ सर्वे त थ ग न ड ही व व
वला कि ने स्वाहा ॥ ॐ सर्वे त थ ग न गु म्मा धि द्वा नां धि धि ने स्वाहा
॥ आयू द ले स्वाहा ॥ पूं न द ले स्वाहा ॥ पूं न व ला न स्वाहा ॥ ॐ न द ले स्वा
हा ॥ ॐ न द ले स्वाहा ॥ सं ह न नि स्वाहा ॥ सं धा ज नि

२ कि

कंकि

॥ ६ ॥

धरधामय रतिशूष्य २ उर्नमसि स्वाहा ॥ धृगुवीनाया पूंन्यनं ० हूं हज
नासं पञ्च जन्मसः सम्यक् वृद्धाय वादमूडी ॥ ८ ॥ ॐ नमो भूमी
त्वाय हूं स्वाहा ॥ ॐ नमो भूगवने श्रीकोस्य नथागगाया अहर्न संम्यक्
वृद्धाय ॥ नमो ॥ ॐ नमो चतुर्वयाय ॥ ॐ कंफनि २ लोचनि २ शीव
नि २ शीमनि २ शासनि २ प्रतिहगहन २ सर्वकर्म पृथं पजानि समय

॥ ६ ॥

नकं तु स्वाहा ॥ धृगुधामनि वीनाया पूंन्यनं सर्ववाधि अकृत्ति अम
मि अधर्मनास हूं अकृत्ति कृत्तुवन स श्री अकृत्ति अम नि स्वजया
थास वास लायूडी हूल ॥ १० ॥ ॐ नमो भूगवने श्रीकोस्य नथागगाया अहर्न संम्यक्
वृद्धाय ॥ नमो ॥ ॐ नमो चतुर्वयाय ॥ ॐ कंफनि २ लोचनि २ शीव
नि २ शीमनि २ शासनि २ प्रतिहगहन २ सर्वकर्म पृथं पजानि समय

कं कि

॥७॥

॥ नमः ॥ ॐ नमो २ महा नमो नमो सं तव स्वाहा ॥ **धवा नाया पुंन्यनं**
निसहय जन्म स्याना गुपापनास ॥ ११ ॥ ॐ नमो अमृतं नमो किं स्वा
 हा ॥ ॐ नमो नमो समत अमृतं विजितमनिय त था गगाय ॥ ॐ नमो
 नमो नमो ॥ आर्य अमृतं गगाय त था गगाया अमृतं संम्यक् वृद्धाय
 नमः ॥ ॐ अमृतं २ अमृतं नमो अमृतं गगाय अमृतं नमो अमृतं

॥७॥

नमो अमृतं विक्रान्तं नमो मिनि अमृतं गगाय नमो किं अमृतं इयं
 तास्य सर्वार्थ साधन सर्वकर्मकृतं सकलं प्रिय स्वाहा ॥ **धवा नाया**
पुंन्यनं म्यवयात कुं पदूषया ना गुपापनास हल ॥ १२ ॥ ॐ नमो
 श्रीवर्जसास विजित विनय सांति सहय पाज मिता संपूर्णा त था
 गगाय ॥ नमः ॥ ॐ नमो हगवत विपूल विमल सुप्रति स्थित

कं कि

गुह्य नाम ध्यान नित्य ॥ सर्वे तथ गगन ४ स ४ गि कृति दस स्र दि कुं ॥
ॐ मति व ड हृदय व ड माय से न्य वि दाय निरुत २ सर्व स कु नां व ड ग
॥ ८ ॥
हं गुा सय २ सर्व मा ल व नानि हूं हूं संध २ वृध मे गे सर्वे तथ गगन व
ड क ल्या धि धि त म म सर्व स त्वा ना न सर्व क मी व ह वि स्व ध न्य
स्वा हा ॥ ध्या ना या पूं नं श्री गं क मुनि नं गुलि न ध म् श्री ह्य ह

स्य वि द्या ग ज लि न श्री गु या ना या पूं न्य ॥ १३ ॥ ॐ न मी म हा ज त्र
चं द्र स ज न सि ह वि वि कि र्ति न ध र्म पा नि त थ ग ना य ॥ न द्य थं ॥ ॐ स
र्वे तथ गगन हृदय मां हा म नि स त दि फ ह ल २ ध र्म धा तु ग ति स ग
हं मु नि २ म हा मु नि सर्वे तथ गगन हृदय मां हा म नि स्वा हा ॥ ॐ न मी
सर्वे तथ गगनां ॐ वि पू ल ग ह र्म नि प्र ह त थ ग ग नि द स नि मु नि

कंकि

॥२॥

२ शुभ्र विमल सलसा गजगंभि जहं कज २ स्वाहा ॥ वृद्ध वली ।
 कित गुक्का विहित गार्हाहा ॥ **धृष्टवा नाया पुंन्य नं पंच महापाप**
वाधिनासा ॥ १४ ॥ डीं न मा गव न महा जल धर्म संपूर्ण न था गता या
 त अथां ॥ डीं न मा प्रियं धिका नां गथा गता नां सर्व दा प्र नि हत वा फि धर्म
 गा वलि नां डीं अस्म स मंग न म सु व्या फि सा स नि हज २ स मज २

॥२॥

न्यविगन वृद्ध धर्म ते सज २ स म कजा ह हा २ डीं गगन महा वल ज
 डा ड डाल २ न सा गभ सा हा ॥ **धृष्टवा नाया पुंन्य नं प स्या क्र स गथा डीं**
शुभा यु पाप माच न डीं ॥ १५ ॥ डीं न मा गव न महा जल धर्म
 संपूर्ण अग्नी कि ह्रि र कं नु त था गता या अ ह न स म्ये क वृद्धा या ॥ न
 अथां ॥ डीं न मा सर्व वृद्ध वा धि स त्वे स ४ डीं न मा जल तु या य ॥ न नः

कं किं

॥ १० ॥

तथा गंगाया इह संस्पृक्तं ब्रूयात् नमो नमस्कृतं दंष्ट्रं गवं तथा गंगास्त्रि
षः सर्वदेव्य नमस्कृता ४ सर्वदेव पूजितं सर्वदेवेभ्य पूजितं सर्वहृतनिगु
हकालं इदं तं सत्त्वा नां दमका इक्ष्वा नां निवा ज कं ॥ तद्यथा ॥ ओं शो २ ओ
लि न व ऊ पा नि प्र वे स्य पु वे स नं र ग व ति त था ग ना स्त्रि ष स म्य य ह न नं
न स ग न स म य न उ ड नूः उ ड हं ॥ ह ह ह ह म थ र प ज मं क्रा ज क २ अ स्म

॥ १० ॥

मं ॥ जयापि तथा गन सनय कृत मंगु सर्व किं न्द्र २ हिं ड २ व जा नू
हा ॥ ओं हं २ जं र नं ॥ ओं हं २ सं र नं ॥ ओं हं २ मा ह नं ॥ ओं हं २ म थ नं ॥ ओ
हं २ वं ध तं ॥ ओं हं न क २ म म सर्व सत्त्वा तां च इ ह ग व ति सर्व त था ग ना
स्त्रि षा य न मा सु म ॥ सि ध द स म जा जि ता न ला क पु रा सू ने वि क सि
न प्र ण सू ग सि गा त म गु की ल २ ह ह २ वि ह न २ हं हं ह ह हं हं ह ह ह ह

कंकि

॥११॥

माघाय रुद्र ॥ अमृतिहनाय रुद्र ॥ वज्रदे रुद्र ॥ वज्रदाय रुद्र ॥ अमृत
विद्यापनं कनाय रुद्र ॥ अऊ २ सां एक चित्त सल हू क निका ॥ ओ डा ओ
इ चि क्ता ॥ त्या दया मि कि जनं ति वि द्व षयं ति ॥ मं प्र ऊ ग्री जय ति नं षां
पंच जी न सतां गत जन सि मा वं धनं क जा मि ॥ ग ऊ वं धनं क जा मि ॥ ह स्ति
वं धन क जा मि ॥ घा दा वं धनं क जा मि ॥ सर्वा ग प्र न्य क क वं धनं क जा मि

॥११॥

॥ गद्य थो ॥ ओं अ न ल्य २ वि ष य २ वि ज व र्ज ध ज वं ध वं ध व र्ज पा नि हूं हूं
रुद्र स्वाहा ॥ **ध्यानाया पुन्य नं असा जनं दय का धन या पाय मा च न द्य**
यू ॥ १६ ॥ ओं न मो र ग व तं पू ष धु य म हा व ल जा जा य म था ग ना या अ
ह मं स्य क व द्वा य ॥ गद्य थो ॥ ओं अ सि ता न प र्श ना मा प जा जि ता सर्व
या स न क ना य ह न २ किं २ हूं रुद्र स्वाहा ॥ ओं न मो सर्व न था ग न स ग ना

कं कि

॥१३॥

इत्याहा ॥ धृगुबोनायापुन्यनं अकालममृतययावहा ॥ १६ ॥ ॐ न
माहगबनं ॐ नु कनु धज ॐ य ॥ ययं सर्वग थागनाय विहजति जहसंम
कवृद्धाय ॥ न प्रथं ॥ ॐ न मासफातां तथागन कीतिना ॥ न प्रथं ॥
च ज च ज च नु स्याहा ॥ धृगुबोनायापुन्यनं सर्वे ड प ड व पा य इ हि क
गनास ॥ ॐ ॥ २० ॥ ॐ आति स न ना प्र ज स्यात्म क ति प्र सा द य व ज

॥१३॥

धज स धि क ल्य र ड स मू ड न म व लान कूल सर्व सिद्धि प्र य कं गु स्वा हा ॥
कामदेवताहा चिन ॐ ति ॥ २१ ॥ ॐ वज क्रोध महा श्री हं नू क हं रु द ॥ ॐ
चू चू २ हं रु हं रु द ॥ ॐ आ क्रो ध ज सा ग क ह न म थ र क हं रु द ॥ ॐ प यां
न क न महा क्रोध रु य ग्री वो हू चू २ हं रु द ॥ ॐ व ज वं ध सर्व इ स्या न हं रु द
॥ ॐ व ज सर्व इ स्या न हं रु द ॥ ॐ व ज सा र गु नू सर्व सि धि हं रु द ॥ ॐ

कंकि

॥ १४ ॥

वर्जवंधसर्वइष्टान्कुरु॥ॐवर्जसर्वइष्टान्कुरु॥ॐवर्जमाहागुरुस
वसिष्ठिकुरु॥ॐकिं॥यज्ञांनकृतवर्जकावेहयग्रीवकुरु॥ॐस
वितथागतास्त्रिषधगुमितिस्वाहा॥ॐतथागतधगुविशुषितमृधि
स्त्रिमकुरु॥ॐइष्टान्कुरु॥**अथाजनिधानायापूज्यनंआकासवानिनं**
गमयमहेश्वरिजागनंसनिपातजाजनासहस्रचितस्रधकुरु॥ॐ॥

॥ १४ ॥

२२ ॥ॐआवृद्धतावानवेजाचनहं॥ॐआवृद्धताहं॥ॐआवृद्धसंतव
हं॥ॐआवृद्धताहं॥ॐआवृद्धताहं॥ॐआवृद्धताहं॥ॐआवृद्धताहं॥**ॐतिपंचवृद्धताधर्म**
मंग॥ २३ ॥ॐआविश्विहं॥ॐआविश्विहं॥ॐआविश्विहं॥ॐआविश्विहं॥ॐ
आकुरु॥ॐआकुरु॥ॐआकुरु॥ॐआकुरु॥ॐआकुरु॥ॐआकुरु॥ॐआकुरु॥
मृनिहं॥**ॐकिं॥सकवृद्धतामधजनि॥ २४ ॥**ॐआवृद्धताहं॥

कं कि

॥ १५ ॥

मध्यमं ॥ ॐ आमेवीयहं ॥ ॐ आर्य वगर्हं ॥ ॐ आसमं ॥ ॐ आ व
ज्जिपानिहं ॥ ॐ आमं ॥ ॐ श्री कृमा जरुहं ॥ ॐ आसर्वनि वने विस्कंतिहं ॥
ॐ आकि गिगर्हं ॥ ॐ मिथी अष्टवाधिसत्त्वनामधजनि ॥ २५ ॥ ॐ न
मा ठमत्क मूनयक आगताया इहर्हसंम्य कवृद्धाय ॥ तद्यथं ॥ ॐ मूनि २
महामूनि यस्वाहा ॥ मूनिस्वजनामधजनि ॥ २६ ॥ ॐ नमा हगव

॥ १५ ॥

मज्झिमा निपायक आगताया इहर्हसंम्य कवृद्धाय ॥ तद्यथं ॥ ॐ कं क नि
२ लाचनि २ शाकनि २ शासनि २ प्रमि हत हन २ सर्वकृष्णियं यजानि स
वसेत्यानां च स्वाहा ॥ अष्टोत्तारनामधजनि ॥ २७ ॥ ॐ नमा हगवत हे व
ज्रगुरु देव इयं प्रहर्क तु जगतायक आगताया अहर्हसंम्य कवृद्धाय ॥ तद्यथं
॥ ॐ हे वज्र २ महा हे वज्र जाजस्रसूगमि स्वाहा ॥ हे वज्रनामधजनि ॥ २८ ॥

कं कि

॥ १६ ॥

॥ ओं नमो गवतः श्रुपनिमिनायः श्रुनसूविनिचिह्नं कञ्जा जा जा यत थगमा
या इहर्गं संस्य क्व वृद्धाय ॥ तद्यथा ॥ ओं पूष २ महापूष श्रुपनिमित्तयूं पृष
पनिमिनाय पूष श्रुनसंरा जा पचित ॥ ओं सर्वसंस्कारय विष्णु धर्म
गण गगनसमूर्गन स्तराव विष्णु धर्म महानयय विवाज स्वाहा ॥ ओं हे व
र्क २ महा हे वर्क जाज ससूर्गन स्वाहा ॥ ओं महि पक्ष ॥ ओं वागिह्यमि

॥ १६ ॥

हं ॥ ओं वज्र वागिह्यमिहं ॥ ओं वर्क वागिहं ॥ ओं अल पंचम विहं ॥ ओं वाकदं
नम ॥ ओं चंद्रमहा जावन हं ॥ ओं गजेनुना जे स्वाहा ॥ ओं माजि चिय स्वा
हा ॥ ओं पिठम चिय नम वनि सर्व कलप्रसन्ननय स्वाहा ॥ ओं पद्मास्त्रि
विमहं हं ॥ ॥ थवो नाडा लूषा संग यथाया प्रसाकनं कल्प कि स्वा
नाडायायाय माचन हयू ॥ २९ ॥ ओं मणिधनि वजीनी महाप्रतिहयज

कंकि

॥ १२ ॥

ॐ रमां हूं हूं हूं हूं हूं ॥ ॐ अमृतविलाकिनगर्हसं चक्रं हि अमृतं कर्षति हूं हूं
हूं हूं हूं स्वाहा ॥ ॐ विमलविपुल्यजयवलयममृतं हूं हूं हूं हूं हूं स्वाहा
॥ ॐ राज २ संराज २ वृन्दि यवलिविस्वधनि नू नू च जे हूं हूं हूं हूं हूं स्वाहा
॥ ॐ अमृतवलेवन २ प्रवज विसर्ग हूं हूं हूं हूं स्वाहा ॥ ॐ नमो जलजया
य ॥ ॐ नमो राग वने ॥ क मू नियतथागागायां अहर्न संस्पृष्टाया ॥

॥ १३ ॥

गजशं ॥ ॐ अजि न अयजाजि न अजि न हूं य हज २ मे ग्रे अवलाकिनकज
२ महासमयसिद्धिरज २ महावाधिमधुपविज हज २ अस्माकं समय
वाधिमहावाधिमहा ॥ ॐ भारि २ महाभा हि स्वाहा ॥ ॐ मुनि २ महा मुनि स्वा
हा ॥ ॐ मे ग्रे वाधिसत्वभजनि वाचं २ वानाया हलनं सर्व इर्गनिस चो निस
त्वयानियान अनू नू नू हान विया ॐ इर्ग निस हाग याय मन्वा ल कं वृद्ध

कंकि

॥५६॥

नाथधी० भक्तसूनिनं भेदुवाधिसुखयानासिर्षाविलं ॥ ३० ॥ ॐ नमो
रुणीयनम ४ सुणीयनम ४ उत्तंणीयनम स्वाहा ॥ थधा १ वीनानमस्काच
यातसादालकिनमस्काचयानातिधून्य ॥ ३१ ॥ ॐ नमो गवतजलकै
तुजाजायमथागताया अहमसि मय्यवृद्धाय ॥ नमो ॥ ॐ जले २ महाज
ले चले विजय स्वाहा ॥ ॐ नमो इन्द्रादिभूतकालसर्वत्रययायनम ॥

॥१५॥

प्रदकुसुप्रदकुसर्वपापविस्वधनिस्वाहा ॥ धा १ वाताडा वै न्य डलस
कुचाकयादालकिप्रमानं पुंन्य ॥ ३२ ॥ ओं विपूलगर्भमिधिप्रतनथ
गगनिर्दसनं मनिरसप्रतविमलसंगतिजहूं हूं बोलवूधविलोकिभगु
आधिहितं गतं स्वाहा ॥ ओं मनिवर्जहूं ॥ ओं मनिधनिहूं ॥ धा १ वाताडा
लनं हालपाकार्यसिधशयू ॥ ३३ ॥ ओं धचनहूं ॥ धया पुंन्य यादल

कं कि

॥१२॥

नंदालङ्कितं जन्मस्थानं ॥ ३४ ॥ ॐ नमो भगवते पु
द्गापाय मिताय ॥ ॐ नमो दत्ति ॐ लि सि र हिन र हिन य र नमो भगवते
पद्मपुत्रि ॐ नि वि र मि वि मि र स्रुति र उ स्रुति र स्रुय स्वाहा ॥ ३५ ॥
धा १ को ना या हल नं न डी ह स ह प्र का नि व ज का दि कु य क पुद्गा पाय मिता
विज्ञा क ध्वं श ल ॥ ३५ ॥ ॐ अति न व च न हं ॥ मं रु धी या अ क क च ॥

॥१२॥

समजमानं पंचमहापापकृदं नरुयूडानय कसचानयनि उधाज या यरु ॐ
डी ॥ ३६ ॥ ॐ कि ॥ मं रु धी या अ क क च थ वा ज वा न लूमन कसा सर्व कार्य
सिध रुयूडी ॥ ३७ ॥ ॐ हामुद्ध र वि शुद्ध र अति जं वि न न रुद्ध ज ॐ अ अ
स्वाहा ॥ ॐ ज सि स्वाहा ॥ ध या पू न्य नंद धं कृ ण ल पंच महा पाप माचन रु
यू ॥ ३८ ॥ ॐ रु ध मी मा मि ॥ ॐ अ सि ता न प रु अ प जा णि ते सर्व गा हा

कंकि

॥२०॥

नग्रासम २हन २हं २हं रुद्र साहा ॥ प्रणिंगिजा हृदय ॥ ३९ ॥ ॐ नमो च
न्द्रवज्रपानममहावज्रकोकाय ह्रू २कि २वं २हन २श्रुम २हं २हं
रुद्र ॥ वज्रजोगिनिधानि ॥ ४० ॥ ॐ नमो गुणावमम आधु पूं न्य हान
पूहि वृन्त्याहा ॥ सकलोचनिगाजाया हृदय ॥ ४१ ॥ ॐ नमो हगव
न सर्वगथांगक श्रुवलाकिने ॐ संम २हं ॥ धा ३ ध्ववा नाया पूं न्य यासं

२९

॥२०॥

व्यामइ ॥ ४२ ॥ ॐ नमो हगव न वज्रध्वसागज प्रमर्दनाय तथा गगाया
श्रुहं संम वृद्धाय ॥ तडाथं ॥ ॐ वज्र २महावज्र नजी वज्र महाविद्या
वज्र महावाधिविह्वल वज्र महावाधिमंथु पसंक्रम निवज्र सर्वकर्मश्रुता
जनविस्वध निवज्र साहा ॥ ध्ववा नाया पूं न्य यासं व्यामइ ॥ ४३ ॥ ॐ न
मासक वृद्धानां श्रुसमयसधर्मधनुकाय गगानां सर्वथा श्रुषव श्रुं श्रु

कंकि

॥२५॥

संसृजं च ॥ स्वाहा ॥ जंज स्वाहा ॥ धंध स्वाहा ॥ जंज स्वाहा ॥ हं ह स्वाहा ॥
वक वे चोचन वं तु ॥ ४४ ॥ ॐ सर्वमथागतम हा ह्रीं ग स ज हं अनूक व
वज हृदय ॥ ४५ ॥ ॐ नमो रगवह सर्व इगति प त्रि स्वधन जा जा य न
अगता या अहं संस्य क वृद्धाय ॥ त द्र थं ॥ ॐ स्वधन २ वि स्वधन २ सर्व
पाप विस्वन शुद्ध विस्व इ सर्व कर्मा ब हू वि शुद्ध स्वाहा ॥ ॐ सर्व वि हू सर्वा

॥२५॥

वचन विस्वधन हन २ हं ह ॥ पंचविं ^{कि} सू का वे चो चनी या हृदय ॥ ४६ ॥ ॐ अ
आ सर्वमथागतम हृदय हज २ ॐ हं किं रगवान कृान मूर्ति ता गि स्व ज मा हा
वाच सर्व धर्मा गगना मल सूप त्रि सुध धर्म धा तु कृान गर्ह आ ॥ ॐ व ज
सुख मादि ॥ ॐ मू ति २ म हा मू निय स्वाहा ॥ ॐ म ति प क्ष ह ॥ ॐ चं नु मा
हा जो यन हं ह ॥ ॐ ता ज तु ता ज स्वाहा ॥ ॐ न मा ज त्रि य मा या ॥ अ र्थ

कंकि

॥२२॥

हानसागववेलोचनचूहजाजायगथागतायाममतथागतलोहरनस
म्यकवृद्धमनसाआर्ध्यावलोकितस्वनायधवाधिसुखायमहासुखा
यमहाकाजूनिकाय॥गद्यथा॥धनरधियि २धूज २०० नवितननर
प्रचयकृष्णकृष्णमवले ००लिमिलिचिलिहोलेमवन ००स्वाहा॥
यकादसमहाकनूहसूक्तिनामधननि॥ ४७ ॥ॐ आवकधृककूं॥

॥२२॥

२ मयपदा

ॐ आमंरु ॐ आ ॐ मधियमंरु ॥ ॐ किं विविक्ताननरूंरूं ॥ ॐ जमान
कूंरूं ॥ ॐ जमजाजासदाचूचयादयायदयादयपदया निनिकऊ २
ऊऊ निजामय रूंरूंरूंरूंरूंरूंरूंरूं ॥ ॐ श्रीवजहंरूंरूंरूंरूंरूंरूं ॥ ॐ
किनिजालसंम्वलंरूंरूं ॥ ॐ किं ६हह रूंरूंरूंरूं ॥ ॐ वज्रवेचनियरूं
रूंरूंरूंरूं ॥ ॐ ॐ ॐ सर्ववृद्धांकिनियवज्रवेचनियरूंरूंरूंरूंरूं

कंकि

॥२३॥

ह्रूं ह्रूं स्वाहा ॥ **सक्की या ह्रूं दय ॥ ४६ ॥** ओं आ ॥ ह्रूं किं ॥ ओं म नि प श्रूं ॥ ओं
वर्जं ओं नि वृद्धं ओं कि नि वृद्धं वे जो च नी य ह्रूं ह्रूं ह्रूं ॥ ओं धृ न र धृ ना व य र स्वा
हा ॥ ह्रूं नि नि स य चं न्द्रि य ह्रूं ज ॥ **ओं नि नि या ह्रूं दय ॥ ४७ ॥** ओं न मा ह्रूं ग
वर्णं का ल च का य व र्जं हे ज व रि सं क जा य म हं न्द्रि निल व र्ण स पि जा य ॥
ओं आ ह्रूं ह्रूं स्वा हा ॥ ओं किं किं किं किं क्रूं स्वा हा ॥ ओं श्री का ल च का य ह्रूं ह्रूं

॥२३॥

ओं ह्रूं वि ध मा ता ह्रूं ह्रूं ॥ ओं वर्जं वा जा हि आ व स सर्व इ ष्ठा न् किं स्वा हा
॥ ओं न मा ह्रूं ग व र्णं गु ष्ठं व र्जं प ह्णूं द व पि पू र्णं ह्रूं ह्रूं ह्रूं स्वा हा ॥ ओं वर्जं व
र्जं वि ह व र्जं ह्रूं ह्रूं ह्रूं ह्रूं स्वा हा ॥ ओं आ म्र ह्रूं ह्रूं ह्रूं स्वा हा ॥ ओं धृ न र धा
न य र म र्द र व र्जं धृ क ह्रूं ह्रूं स्वा हा ॥ ओं सा ख त य न सा ख न ॥ न ह हि जि म जि क
ह्रूं ह्रूं स्वा हा ॥ ओं वर्जं सूर्य त मा वि ध मनः स म य स्तं गृ ह न त धृ क ह्रूं ह्रूं स्वा

वं. कि.

112811

हा ॥ अं वज्रधम्मसमयस्त्वं हू नूर आलाकि क रू द्र स्वाहा ॥ उं हं इं इं प्रह्ला
ध क रू द्र स्वाहा ॥ उं हं ह स्वाहा ॥ उं आ किं हं हं ॥ उं वज्रटां कि नि कीं हं ॥ उं
किं हं विं वि कृ तान न हं हं रू द्र स्वाहा ॥ अहमसमा ॥ ५० ॥ उं न व व जि न व मि
न स्य इ क्ष म क्रो ध हं हं ॥ निलमं इं श्री हृ दय ॥ ५१ ॥ उं प्र मा द कू स्व ध
इ मि स्व द नि ग ॥ हं हं द प न उ कं क स न उ व न रू द्र स्वाहा ॥ उं अ क स म न

112811

[illegible]

कं कि

॥२५॥

ॐ ८ नमो भूवने ॥ ८ नमो ८ हं हं हं ॥ ॐ महाजागृता व हं हं हं ॥ ॐ
वर्जसहं कालकिं कृगुविद्या विनायका हं हं हं हं हं हं हं ॥ ॐ का
लजुष्य हं हं हं ॥ ॐ चामुं दि हं हं हं ॥ ॐ मा हां कालाय हं हं हं ॥ ॐ मा
हां कालकलालविक्रालग्रतया विनि च धु जिगृह सि जिग जि
दवि हं हं हं ॥ ॐ पुनश्च न किं चूप जूष ला हित सर्वसकृ मा लेय हं
३

॥२५॥

हं हं ॥ ॐ च कायन चिंतन लंघति देवि हं ॥ ॐ नमो नमो ॥ ५४
॥ ॐ सर्वसकृ मालयमर्दय हं हं हं हं हं हं हं ॥ ॐ कृति विधि आर्य कल
हं हं हं ॥ ॐ चि जि जि जि ॐ मि जि सि ति हं ॥ ॐ वे स्वा हा ॥ ॐ वे श्व व
नाय स्वा हा ॥ ॐ कं हल जलं न्द्राय स्वा हा ॥ ॐ पूर्ण हिर दाय स्वा हा ॥
ॐ मानि हिर दाय स्वा हा ॥ ॐ कृ वा जा य स्वा हा ॥ ॐ संप्रजा ना य स्वा

कंठि

॥२६॥

हा॥ॐ गुं चंद्राय स्वाहा॥ॐ पञ्चिकाय स्वाहा॥ॐ चि वि कं दु लिय स्वाहा
॥ॐ हं श्रीया देवि कालिका लिमहा कालि हं धा हं॥ॐ नमो सप्तमंत वृद्धा
नां अचिंत तसूत्र पिनि ॐ नमः स्वाहा॥ **विद्यावंधं ह्युता ॥ ५५॥** ॐ
समं नर डाय हं नृक न जा शि जी पम वृद्धान वृद्धा सृगान विष न नृम
धन वं मस्य षत धर्म धा तु सर्वा द्वि मूच्य मि घृहीति न हिर ड च जि

२ ज

॥२६॥

पुनिधान मजा ज हं रुद्र स्वाहा॥ **सप्तसहस्रिका प्रह्ला पात्र मिता नाम**
धाय निम ५६॥ ॐ नमो हग वर पंच विं सक्तिका प्रह्ला पात्र मिताय
॥ नमः धां॥ ॐ प्रह्ला २ मरु प्रह्ला सर्व रज प्रह्ला सर्व रज प्रह्ला सर्व हान
इह ल प्रह्ला पन सकल सि केल मि क सि कं तु धू २ कं र २ शु धू २ स न २
धन २ च न २ ग र्ज २ म हं ति ड स्वाहा॥ **ॐ नि श्री पंच विं सक्ति का प्रह्ला**

कं किं

॥३॥

पात्रमिमानासधजनिहृदय॥ ५७॥ ॐ नमो ह गवति श्रुषसहस्रि
का प्रह्ला पात्रमिमाये ॥ गद्य थं ॥ ॐ किं शुक्ति स्मृति जय विजय स्वा
हा ॥ आर्य श्रुषसहस्रिका नाम हृदय ॥ ५८ ॥ ॐ नमो ह गत आर्य
श्रुषसहस्रिका प्रह्ला पात्रमिमाये ॥ ॐ स्मृति २ महामु न्नि य स्वाहा
॥ आर्य श्रुषसहस्रिका प्रह्ला पात्रमिमानासधजनिहृदय ॥ ५९ ॥ ॐ

॥२७॥

नमो सर्वतथागत हृदयाय ॥ ॐ नमो जल प्रयाय ॥ सर्वतथागत ह
दय श्रुनू गतं ॐ कृष्णि जि स्वाहा ॥ कृष्णि किं विमान सा कति सन
कल्प जन्म स्या ना पाव मो चन हृदय ॥ ६० ॥ ॐ आर्य प्रह्ला पात्रमिमाये
तद्य थं ॥ ॐ गंत र पात्र गत पात्र संगत वा वि स्वाहा नमो ॥ मं हृथी सं च
य कथा पात्र गत डी न्य गु ॥ ६१ ॥ ॐ नमो समंत र दाय वा वि स्वाहा यम

कंकि

॥२३॥

हास स्वायः महाकाशं नि कभ्य ॥ तद्यथा ॥ ॐ नमो हज २ स स्वाय स्वाहा ॥
कि नंधा इवानसायं च माहा पायनास ॥ ६२ ॥ ॐ नमो हगव नम
हा वल अग्नि अग्नि गज प्र हजा जाय न थगताया अहर्ग संम्य कव
जाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ किं सु किं ति जय धन ति प्र ह्ना पाय स्वा हा ॥ हिंसा
पायनास ॥ ६३ ॥ ॐ नमो हगव नम अहिव नम हा जल प्रव्य क म्वाजा

॥२४॥

यन थगताया अहर्ग संम्य कव जाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ पूव्य २ महा पूव्य हा
पूव्य स्वाहा ॥ धाल इवानसा दसां कु णाल पायनास ॥ ६४ ॥ ॐ नमो हग
वत जल स न धर्म पानि धन थगताया २ हर्ग संम्य कव जाय ॥ तद्यथा
॥ ॐ अम च नि ति वं ति य स्वा हा ॥ च्या हल नं अ न ग प्र का ज नं पा ह्य
हय का या पायनास ॥ ६५ ॥ ॐ नमो हगव नम प्र हर्ग प्र हर्ग वि

कंकि

॥२२॥

नयसहस्रपात्रसिताया ॥ हं गं संस्य क्व वृद्धाय ॥ तद्यथा ॥ वृद्धं सवृद्धं स्वा
हा ॥ **श्वयानाया पुंननं सर्वं नु को ह कर्म यानाया पापनास ॥ ६६ ॥** ॐ
नमो गुरुगवत नवनवमिनां संस्य क्व वृद्ध कानिना अष्टाय यसहस्रं नां
नागमन दिवालूकासमात्राना ॥ **श्वया पुंननं वृद्धतायित सकल्यं वीना**
या धर्म उतिशयू ॥ ६७ ॥ ॐ नमो गुरुगवत प्रहसन संशुवर्जा यतथागमा

॥२२॥

या अहं गं संस्य क्व वृद्धाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ वृद्धं का इ महावल्लमं शवकाय हं
हं रुद्र स्वाहा ॥ **श्वया पुंननं कतिलाक वनं श्वयानाया सहधर्मिताला**
ॐ तथा गतया क्व सधाल क्व नोया मान ववाया तथिज विद्या गुः मयवय
तच्छेष याना गु क्व नं यना गु धर्मा क्व दक्षु न्ना गु अकि किं याना गु श्वय
चनिचि क्व थिय याना ॐ शिजलयास्य ॐ याना ॐ नो न सा अग्नि समानं

कंदिक

॥२०॥

पूज्य इमहा शुभ्र पद्म संख्यने जंतुहि गसु फसाधना यां स्यंत डी धन
 ॐ स्वजनं तस्मिन्नायाना डी पिका स्यंत या हल ॥ ६ ॥ ॐ नमो
 गवने वे आचन अमना किन्नर जा जायत था गताया इहर्ग तस्य वृद्धा
 य ॥ ॐ नमो गवने ससं नर ड वाधिसत्वाय महासत्वाय ॥ नमो ॥ ॐ
 ॐ प किं गिवाध वाध नि स्वाहा ॥ ॐ धन रधू नू रजय पू व्यं स्वाहा ॥

॥३०॥

II.

धातु ७ वीन सा ह्या तु पाथ या न सां लफ क्ति प्रमानं ॥ ६६ ॥ जौं न मा जल त्र या
य ॥ ध्व या प्र ता व न जि ह ल सां अ मू लें गु ज ल म हा मू नि जि न ला य धू न ध न्य र जि
क र्म ध म जि क्क ज जि नें सिल गि ज ल बू द्ध वी धि स ल्य बा म हा पू न्य नं स र्व संपू
र हि ग स जि नं ध न्य धू न ध र्म धा तु मू ल गु म न कि र ल आ का स हो ल म
ना ज न सां ध्व म त्र या सि डि रु ल नं मी न के म रू द ध नि वि नं अ सि

